

## ॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: (महाभारतान्तर्गता) ॥

ॐ सूर्याय नमः  
 ॐ अर्यमणे नमः  
 ॐ भगाय नमः  
 ॐ त्वष्ट्रे नमः  
 ॐ पूषणे नमः  
 ॐ अर्काय नमः  
 ॐ सवित्रे नमः  
 ॐ रवये नमः  
 ॐ गभस्तिमते नमः  
 ॐ अजाय नमः  
 ॐ कालाय नमः  
 ॐ मृत्यवे नमः  
 ॐ धात्रे नमः  
 ॐ प्रभाकराय नमः  
 ॐ पृथिव्यै नमः  
 ॐ अद्भ्यो नमः  
 ॐ तेजसे नमः  
 ॐ खाय नमः  
 ॐ वायवे नमः  
 ॐ परायणाय नमः  
 ॐ सोमाय नमः  
 ॐ बृहस्पतये नमः  
 ॐ शुक्राय नमः  
 ॐ बुधाय नमः

१०

२०

ॐ अङ्गारकाय नमः  
 ॐ इन्द्राय नमः  
 ॐ विवस्वते नमः  
 ॐ दीप्तांशवे नमः  
 ॐ शुचये नमः  
 ॐ शौरये नमः  
 ॐ शनैश्वराय नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ रुद्राय नमः  
 ॐ स्कन्दाय नमः  
 ॐ वरुणाय नमः  
 ॐ यमाय नमः  
 ॐ वैद्युताग्रये नमः  
 ॐ जाठरश्चाग्रये नमः  
 ॐ ऐन्धनग्रये नमः  
 ॐ तेजसां पतये नमः  
 ॐ धर्मध्वजाय नमः  
 ॐ वेदकर्त्रे नमः  
 ॐ वेदाङ्गाय नमः  
 ॐ वेदवाहनाय नमः  
 ॐ कृताय नमः  
 ॐ त्रेतायै नमः  
 ॐ द्वापराय नमः

३०

४०

ॐ सर्वमलाश्रयाय कलये नमः  
 ॐ कलाकाष्ठामुहूर्तेभ्यो नमः ५०  
 ॐ क्षपायै नमः  
 ॐ यामाय नमः  
 ॐ क्षणाय नमः  
 ॐ संवत्सरकराय नमः  
 ॐ अश्वत्थाय नमः  
 ॐ कालचक्राय विभावसवे नमः  
 ॐ शाश्वताय पुरुषाय नमः  
 ॐ योगिने नमः  
 ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः  
 ॐ सनातनाय नमः ६०  
 ॐ कालाध्यक्षाय नमः  
 ॐ प्रजाध्यक्षाय नमः  
 ॐ विश्वकर्मणे नमः  
 ॐ तमोनुदाय नमः  
 ॐ वरुणाय नमः  
 ॐ सागराय नमः  
 ॐ अम्शवे नमः  
 ॐ जीमूताय नमः  
 ॐ जीवनाय नमः  
 ॐ अरिघ्ने नमः ७०  
 ॐ भूताश्रयाय नमः  
 ॐ भूतपतये नमः  
 ॐ सर्वलोकनमस्कृताय नमः  
 ॐ स्रष्ट्रे नमः

ॐ संवर्तकाय नमः  
 ॐ वह्नये नमः  
 ॐ सर्वस्यादये नमः  
 ॐ अलोलुपाय नमः  
 ॐ अनन्ताय नमः  
 ॐ कपिलाय नमः ८०  
 ॐ भानवे नमः  
 ॐ कामदाय नमः  
 ॐ सर्वतोमुखाय नमः  
 ॐ जयाय नमः  
 ॐ विशालाय नमः  
 ॐ वरदाय नमः  
 ॐ सर्वधातुनिषेचित्रे नमः  
 ॐ मनः सुपर्णाय नमः  
 ॐ भूतादये नमः  
 ॐ शीघ्रगाय नमः ९०  
 ॐ प्राणधारकाय नमः  
 ॐ धन्वतरये नमः  
 ॐ धूमकेतवे नमः  
 ॐ आदिदेवाय नमः  
 ॐ अदितेः सुताय नमः  
 ॐ द्वादशात्मने नमः  
 ॐ अरविन्दाक्षाय नमः  
 ॐ पितृमातृपितामहेभ्यो नमः  
 ॐ स्वर्गद्वाराय नमः  
 ॐ प्रजाद्वाराय नमः १००

ॐ मोक्षद्वाराय नमः

ॐ त्रिविष्टपाय नमः

ॐ देहकर्त्रे नमः

ॐ प्रशान्तात्मने नमः

ॐ विश्वात्मने नमः

ॐ विश्वतोमुखाय नमः

ॐ चराचरात्मने नमः

ॐ सूक्ष्मात्मने नमः

ॐ मैत्रेयाय नमः

ॐ करुणान्विताय नमः

११०

॥ इति श्रीमन्महाभारते वनपर्वणि धौम्ययुधिष्ठिरसंवादे  
श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: सम्पूर्णा ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

[http://stotrasamhita.net/wiki/Surya\\_Mahabharatam\\_Ashtottara\\_Shatanamavali](http://stotrasamhita.net/wiki/Surya_Mahabharatam_Ashtottara_Shatanamavali). This PDF was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>